समाजशास्त्र विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक का कार्यवृत्त

आज दिनांक 28 जनवरी 2022 (पूर्वाह्न 11:30 बजे) को समाजशास्त्र विभाग, समाज विज्ञान विद्याशाखा की शोध उपाधि समिति (RDC) की आनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से बैठक आयोजित की गयी, जिसमें निम्नांकित सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रो. आर. सी. मिश्र	अध्यक्ष (निदेशक अकादमिक)
प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डे	निदेशक (समाज विज्ञान विद्याशाखा)
प्रो. सी. एस. एस. ठाकुर	वाह्य परीक्षक
प्रो. इन्दु पाठक	वाह्य परीक्षक
प्रो . रेनू प्रकाश	विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग
डॉ. दीपक पालीवाल	शोध निर्देशक
डॉ. गोपाल सिंह गौनिया	आमंत्रित सदस्य
डॉ. सीता	आमंत्रित सदस्य
डॉ. शालिनी	आमंत्रित सदस्य
डॉ. कल्पना	आमंत्रित सदस्य
सुश्री नीलम दानू	शोधार्थी
सुश्री तीर्थांजनी पांड्रा	शोधार्थी

1. सर्वप्रथम प्रो. रेनू प्रकाश, विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त वाह्य एवं आन्तरिक सदस्यों का स्वागत किया गया, तत्पश्चात दोनों शोधार्थियों द्वारा अपने-अपने शोध प्रस्तावों का प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रस्तुतीकरण के पश्चात् विषय विशेषज्ञों, अध्यक्ष व शोध निर्देशक द्वारा निम्नानुसार संस्तुति प्रदान गयी।

सुश्री तीर्थांजनी पांड्रा, नामांकन संख्या-19199310

1. शोध उपाधि समिति (R.D.C) के सम्मानीय सदस्यों द्वारा सुश्री तीर्थांजनी पांड्रा द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य की रूपरेखा निम्नांकित संशोधनों के साथ स्वीकार करने की संस्तुति प्रदान की गयी है।
   - नवीन शोध शीर्षक इस प्रकार होगा 'Quality of Healthcare Facilities for Transgenders: A Sociological study with special Reference to Delhi and NCR'
   - शोध कार्य की रूपरेखा में विभिन्न अवधारणाओं की व्याख्या सम्मिलित की जाय।

Renu 28/01/22

- शोध कार्य में प्रयुक्त शब्दों, यथा reliability, responsiveness, assurance तथा empathy को व्याख्यायित किया जाय।
- critical review of literature से critical शब्द को हटाकर और review of literature को प्रथम अध्याय के साथ जोड़ा जाय।
- Healthcare status of tansgenders in Delhi and NCR' शीर्षक से एक नया अध्याय जोड़ा जाय।
- उक्त के अतिरिक्त 'Socio-economics profile of Respondents' को भी सम्मिलित किया जाय।

उक्तानुसार संशोधित एवं पुन: टंकित शोध-संक्षेपिका (Synopsis) शोध निर्देशक के माध्यम से दिनांक 25 मार्च 2022 तक शोध निदेशालय में जमा करनी होगी।

सुश्री नीलम दानू

1. शोध उपाधि समिति (R.D.C) द्वारा सुश्री नीलम दानू को शोध प्रस्ताव प्रस्तुतिकरण पर विचार किया गया और की रूपरेखा में निम्नांकित कमियॉ पाई गई।
   - शोध शीर्षक की पुनर्सरचना की जाये क्योंकि 'ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा की स्थिति में संकल्पना शब्द शीर्षक अनुरूप नहीं है। संकल्पना के स्थान पर सम्भावनायें एक सही शब्द प्रयुक्त हो सकता है।
   - शोध कार्य में वर्तमान नयी शिक्षा नीति 2020 के प्राथमिक शिक्षा लक्ष्य एवं उनकी संकल्पना को भी रेखांकित नहीं किया गया है।
   - विभिन्न अवधारणाओं की स्पष्ट व्याख्या प्रस्तुत नहीं की गयी है।
   - साहित्य पुनरावलोकन (सन्दर्भ सूची सहित), अध्ययन के उद्देश्य, शोध, अभिकल्प एवं निदर्श चयन प्रक्रिया को स्पष्टतः प्रस्तुत नहीं किया है।
   - शोध प्रस्ताव में उद्देश्यों के अनुरूप अध्यायों की पुनर्सरचना नहीं की गयी है।

समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि सुश्री नीलम दानू के शोध प्रस्ताव के सन्दर्भ में शोध शीर्षक में आवश्यक सुधार एवं शोध शीर्षक के अनुसार शोध प्रस्ताव को पुनः संशोधित कर अगली शोध उपाधि समिति (RDC) में पुन: प्रस्तुतिकरण हेतु संस्तुति प्रदान की गयी। अन्त में अध्यक्ष महोदय द्वारा बाह्य परीक्षकों को धन्यवाद के साथ बैठक का समापन किया गया।

24/2/22
प्रो. आर.सी. मिश्र
अध्यक्ष, (निदेशक अकादमिक)

23/2/22
प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डे
निदेशक, (समाज विज्ञान विद्याशाखा)

(ऑनलाइन प्रतिभाग)
प्रो. सी.एस.एस.ठाकुर
बाह्य विषय विशेषज्ञ

(ऑनलाइन प्रतिभाग)
प्रो. इन्दू पाठक
बाह्य विषय विशेषज्ञ

23/2/22
प्रो. रेनू प्रकाश
विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग

(ऑन लाइन प्रतिभाग)
डॉ. दीपक पालीवाल
शोध निर्देशक